(1)

मैथिली (प्रतिष्ठा) — बसंत कुमार

बी० ए० (M) पार्ट-III — अतिथि शिक्षक

पेपर - V — दिनांक - 96.07.21

प्रकरण - मैथिली साहित्यक आधुनिक काल

1880 ई०मे दरभंगा राज स्कूलक/इस्कूलक स्थापना भेल। एहिसँ मिथिलांचलमे अंग्रेजी शिक्षाक प्रवेश भेल। एकर प्रत्यक्ष प्रभाव 1930 ईक बाद देखबामे अब लागल।

भारतीय वा मैथिल विद्वान लोकनिकेँ अपन संस्कृतिक प्रति एहिसँ ममत्व जागलनि। डॉ० ग्रियर्सन आओर कवीश्वर चंदाक अनुसंधान सँ एकरा मैथिली साहित्यक इतिहासमे नव मोड़ आयल। एहि समयमे प्रेस एहर आयल, जाहिसँ अभिव्यक्तिक स्वतंत्रता आ पत्रकारिताक विकास भेल।

सर्वप्रथम 1905 ईंमे सुदूर प्रदेश जयपुरसँ मैथिलीक प्रथम पत्रिका मैथिल हित साधनाक प्रकाशन शुरु भेल।

चंदाझाक आविर्भाव मध्यकाल एवं आधुनिक कालक सन्धिस्थल पर भेलनि। चंदाझाक 'अहिल्या चरित नाटक' प्राचीनसँ मिथिलामे चलि अबिरहल नाट्य परम्पराकेँ अन्तिम कड़ी सिद्ध भेल, हिनक अन्य

कृति सभ नवीनताक प्रथम सोपान प्रमाणित भेल। अन्य भारतीय भाषामे नव विकास देखि कवीश्वरक हृदयमे प्रेरणा बलवती भ' गेल, ओऽोर कवीश्वर मैथिलीकेँ सभ रूपेँ आधुनिक बनयबामे कर्तव्यनिष्ठ भ' गेलाह। कवीश्वर प्रथम गद्यक अनुवाद कयलनि- पुरुष परीक्षाकेँ।

कवीश्वर आधुनिक कालक साहित्यक निर्माणक उद्देश्यसँ साहित्य निर्माणमे जुटि गेलाह। रामायण हिनक उल्लेखनीय कृति छथिक। मिथिलाभाषा रामायणक एक गोट विशेष महत्व ओछि- भाषाक सरल रूप; एहिसँ मैथिली भाषाकेँ पुनः लोक भाषाक रूपेँ प्रतिष्ठित कयलक। ग्राम्य-जीवनक सहज बोधगम्य बनओलक। लोकोक्तिक प्रयोगसँ जन-जीवनक चित्रण भेल आ

शेष अगिला अंकमे